फजी लॉजिक में नए शोधार्थियों के लिए कॅरियर की असीम संभावनाएं: डॉ. अजॉय पालित

सीमा सन्देश संवाददाता

पिलानी। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत सीएसआईआर-सीरी में वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के लाभार्थ कंप्यूटेश्नल इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमेन, जर्मनी के डॉ (इंजी) अजॉय कुमार पालित के आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया।

संस्था के जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि व्याख्यान में उन्होंने कंप्यूटेशनल इन्टेलिजेंस पर चर्चा करते हुए उपस्थित शोधार्थियों के समक्ष फजी लॉजिक के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला तथा इसे नए शोधार्थियों के लिए शोध करियर हेतु अत्यंत उपयोगी बताया। अपने विस्तृत व्याख्यान में उन्होंने बताया कि फजी लॉजिक जैसे विषय व्यापक संभावनाओं वाले हैं। इस पर प्रकाश डालते हुए हुए उन्होंने कहा कि रक्षा, ऐरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्य, ऑटोमोबाइल,पैटर्न रेकग्निशन सहित विनिर्माण, परिवहन, हेल्थकेयर, रोग निदान आदि में इसके व्यापक अनुप्रयोग हैं। डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने अपने स्वागत संबोधन में सभी सहकर्मियों एवं शोधार्थियों को डॉ. पालित का औपचारिक परिचय दिया और उनके साथ अपने जर्मनी प्रवास के दौरान कुछ अनुभव साझा किए। उन्होंने संस्थान का निमंत्रण स्वीकार करने और अपने व्याख्यान से संस्थान के सहकर्मियों को लाभान्वित करने के लिए डॉ. पालित को धन्यवाद दिया। डॉ. पंचारिया ने आमंत्रित वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री प्रमोद कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने अतिथि का स्वागत किया और कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। अंत में डॉ. विजय चटर्जी, वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।